दोहरा १४४

माणिकज्योती हरि किरण रुचि मनोहर ब्रह्मांड। नामरूप अनंत हो, एकहि चिन्मार्ताण्ड। सिंहमहिपति मुक्तकुलजन भासक चिन्मार्ताण्ड॥१॥